* 19th Year
* Issue: 190
* 11.11.2025 (TUESDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

e-paper-www.thekalingasamachar.com

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

पीएम मोदी ने हालात का जायजा लिया, अमित शाह से की बात, ब्लास्ट के बाद दिल्ली हाई अलर्ट पर, सीमाओं पर कड़ी चौकसी, आतंकी एंगल की आशंका!

नयी दिल्ली १०/११ (संवाददाता): दिल्ली के लाल किला इलाके में सोमवार शाम हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि विस्फोट शाम करीब 7 बजे एक हुंडई द्ब20 कार में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब कार लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास लाल बत्ती पर रुकी और उसकी गति धीमी हो गई। विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

सरकारी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद स्थिति का जायजा लिया और गृह मंत्री अमित शाह से बात की। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्थिति पर अपडेट लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने घटना पर कहा आज शाम दिल्ली में हुए विस्फोट में अपनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। प्रभावित लोगों की मदद अधिकारी कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह जी और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, दिल्ली में कार विस्फोट की घटना बेहद दर्दनाक और परेशान करने वाली है। इस अत्यंत दु:ख की घड़ी में, मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि वे घटना की जाँच कर रहे हैं। अभी मैं आपको कुछ नहीं बता सकता। जाँच की जा रही है। मौके पर पहुँचे सीआरपीएफ के डीआईजी ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, मैं अभी घटनास्थल पर जा रहा हूँ..। उप मु य अग्निशमन अधिकारी एके मलिक ने कहा कि उन्हें

सूचना मिली कि चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ है। उन्होंने कहा, हमने तुरंत कार्रवाई की और सात यूनिट मौके पर भेजी गईं। शाम 7॰29 बजे आग पर काबू पा लिया गया। हमारी सभी टीमें मौके पर मौजूद हैं।

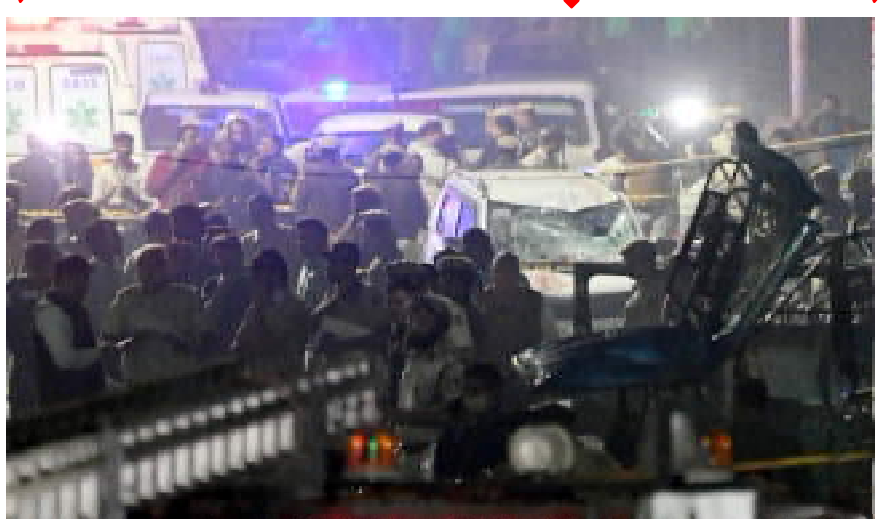

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जान-माल और शरीर के अंगों का नुकसान देखकर वे स्तब्ध रह गए। एक स्थानीय व्यक्ति ने एएनआई से कहा, जब हमने सड़क पर किसी का हाथ देखा, तो हम बिल्कुल स्तब्ध रह गए। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता... एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, जब हम पास पहुँचे, तो हमने सड़क पर शरीर के अंग बिखरे देखे। कोई समझ नहीं पा रहा था कि क्या हुआ। कई कारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एक स्थानीय दुकानदार ने एएनआई को बताया कि उसने अपने जीवन में इतना तेज़ धमाका कभी नहीं सुना था। उसने कहा, विस्फोट के कारण मैं तीन बार गिरा। ऐसा लगा जैसे हम सब मर जाएँगे... इस घटना में कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने एएनआई को बताया कि घायलों में से एक की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा, पंद्रह लोगों को लोक नायक अस्पताल लाया गया है। उनमें से आठ की अस्पताल पहुँचने से पहले ही मौत हो गई। तीन गंभीर रूप से घायल हैं। एक की हालत स्थिर है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के निकट हुए धमाके के बाद हालात का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस प्रमुख और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस धमाके में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और फॉरेंसिक विज्ञान के प्रमुखों को जांच में सहायता करने और साक्ष्य एकत्र करने के लिए विस्फोट स्थल पर विशेषज्ञ टीम भेजने का भी निर्देश दिया। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने विस्फोट के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त, खुफिया ब्यूरो के निदेशक और केंद्रीय गृह सचिव से बात की। उन्होंने बताया कि तीनों शीर्ष अधिकारियों ने गृहमंत्री को घटना के बारे में जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एनएसजी के विशेषज्ञ और एनआईए के जांच अधिकारी विस्फोट स्थल पर पहुंच गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (ह्र्) लाल किले में हुए विस्फोट की जाँच कर रही है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की जा रही है और अधिकारी विस्फोट के कारणों का पता लगाने और दोषियों का पता लगाने के लिए सभी संभावित पहलुओं की जाँच कर रहे हैं।

एनएसजी की टीम में विस्फोटक के विशेषज्ञ शामिल हैं, जबकि एनआईए की टीम में आतंकवादी मामलों के अनुभवी जांच अधिकारी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में उच्च तीव्रता वाले विस्फोट से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। धमाके में 24 लोग घायल हो गए। घायलों को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि एक हुंडई द्ब20 कार में विस्फोट हुआ, जिसमें तीन लोग सवार थे। विस्फोट वाहन के पिछले हिस्से में हुआ और घटनास्थल पर कोई गड्ढा नहीं मिला। अधिकारियों ने पुष्टि की कि घायलों या मृतकों में से किसी के शरीर में कीलें या तार नहीं धँसे थे और पीड़ितों पर जलने या झुलसने के कोई निशान नहीं थे। फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ एक विशेष प्रकोष्ठ की टीम कार के पंजीकरण नंबर का पता लगाने और आगे के सबूत जुटाने के लिए वाहन के अवशेषों की जाँच कर रही है।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक विस्फोट के बाद, पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी सीमाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा बलों ने किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है और गश्त तेज कर दी है।

लालू प्रसाद यादव पर आरोप तय करने का फैसला अब 4 दिसंबर को

१०/११ (संवाददाता):राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को नौकरी के बदले ज़मीन के भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोप तय करने का आदेश टाल दिया। अदालत 4 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। सीबीआई ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, तेजस्वी यादव, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए थे। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आदेश टाल दिया और मामले को 4 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

11 सितंबर को, राउज एवेन्यू कोर्ट ने नौकरी के बदले ज़मीन के भ्रष्टाचार के मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। यह मामला पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और अन्य के खिलाफ है। सीबीआई ने इस मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। आरोप है कि ज़मीन के बदले रेलवे में नौकरियाँ दी गईं। सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) डीपी सिंह ने दलील दी थी कि आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

बहस के दौरान, पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने दलील दी थी कि नौकरी के लिए ज़मीन का मामला राजनीति से प्रेरित है। ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह साबित करे कि ज़मीन के बदले उ मीदवारों को नौकरी दी गई। बिक्री के दस्तावेज़ मौजूद हैं जो दर्शाते हैं कि ज़मीन पैसे के बदले खरीदी गई थी।

दूसरे चरण में एनडीए-महागठबंधन का सियासी संग्राम, दिग्गजों की साख दांव पर

पटना १०/११ (संवाददाता): बिहार चुनाव 2025 के दूसरे चरण के लिए रविवार को प्रचार समाप्त होने के बाद, सभी की निगाहें मंगलवार पर टिकी हैं, जब 20 जिलों के 122 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। लगभग 3.7 करोड़ मतदाता, जिनमें लगभग 1.95 करोड़ पुरुष और 1.74 करोड़ महिलाएं हैं, मतदान के पात्र हैं। दूसरे चरण में 136 महिलाओं सहित 1,302 उ मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने 45,399 मतदान केंद्र बनाए हैं और हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है। इसने पूरे राज्य में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 500 से अधिक कंपनियों को तैनात

किया है।

दूसरे चरण में जिन जिलों में मतदान होना है, उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल हैं, ये सभी नेपाल की सीमा से सटे हुए जिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव के मद्देनज़र पूरे राज्य में सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं और चार लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी चुनाव ड्यूटी में तैनात किए गए हैं। अधिकतर जिले सीमांचल क्षेत्र में आते हैं, जहां मुस्लिम आबादी का घनत्व अधिक है।

ऐसे में यह चरण सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। एक ओर महागठबंधन अल्पसं यक समुदाय के समर्थन पर भरोसा कर रहा है, वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विपक्ष पर घुसपैठियों की रक्षा का आरोप लगा रहा है। प्रमुख उ मीदवारों में जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्रिमंडल के सबसे वरिष्ठ सदस्य बिजेंद्र प्रसाद यादव शामिल हैं, जो सुपौल सीट से लगातार आठवीं बार जीत दर्ज करने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार के मंत्री प्रेम कुमार भी गया टाउन सीट से लगातार आठवीं बार चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने 1990 से लगातार सात बार इस सीट पर जीत हासिल की है। इसके अलावा भाजपा की रेनू देवी (बेतिया), नीरेज कुमार सिंह 'बबलू' (छातापुर) और जद (यू) की लेशी सिंह (धमदहा), शीला मंडल (फुलपरास) तथा जामा खान (चैनपुर) की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। भाजपा के एक अन्य प्रमुख नेता और पूर्व उपमु यमंत्री तारकिशोर प्रसाद कटिहार सीट से लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज करने की कोशिश कर रहे हैं। कटिहार जिले की बलरामपुर और कदवा सीटों से क्रमश: भाकपा (माले) लिबरेशन के महबूब आलम और कांग्रेस के शकील अहमद खान लगातार तीसरी जीत के प्रयास में हैं। दूसरे चरण का चुनाव राजग के दो सहयोगी दलों—हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो)—की ताकत की भी परीक्षा माना जा रहा है। दोनों दलों को छह-छह सीटें मिली हैं। 'हम' की सभी छह सीटों पर इसी चरण में मतदान होना है। इनमें इमामगंज, बाराचट्टी, टेकारी और सिकंदरा सीटें पार्टी के पास हैं और मौजूदा विधायक फिर से मैदान में हैं। गौरतलब है कि हम प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इमामगंज सीट पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव में गया से जीतने से पहले छोड़ी थी। उपचुनाव में यह सीट उनकी बहू दीपा मांझी ने जीती थी.

लाल किले पर हुए कार विस्फोट में 8 लोगों की मौत, अमित शाह ने कहा-सभी पहलुओं की जाँच की जा रही है

नयी दिल्ली १०/११ (संवाददाता): दिल्ली के लाल किला इलाके में सोमवार शाम हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि विस्फोट शाम करीब 7 बजे एक हुंडई द्ब20 कार में हुआ, जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी और मुंबई व कोलकाता सहित कई अन्य शहरों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब कार लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास लाल बत्ती पर रुकी और उसकी गति धीमी हो गई। विस्फोट का कारण अभी तक

पता नहीं चल पाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के निकट हुए धमाके के बाद हालात का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस प्रमुख और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस धमाके में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और फॉरेंसिक विज्ञान के प्रमुखों को जांच में सहायता करने और साक्ष्य एकत्र करने के लिए विस्फोट स्थल पर विशेषज्ञ टीम भेजने का भी निर्देश दिया। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने विस्फोट के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त, खुफिया ब्यूरो के निदेशक और केंद्रीय गृह सचिव से बात की। उन्होंने बताया कि तीनों शीर्ष अधिकारियों ने गृहमंत्री को घटना के बारे में जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एनएसजी के विशेषज्ञ और एनआईए के जांच अधिकारी विस्फोट स्थल पर पहुंच गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (ह्र्) लाल किले में हुए विस्फोट की जाँच कर रही है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की जा रही है और अधिकारी विस्फोट के कारणों का पता लगाने और दोषियों का पता लगाने के लिए सभी संभावित पहलुओं की जाँच कर रहे हैं। इसके अलावा अमित शाह ने दिल्ली के लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराए गये घायलों से मुलाकात भी की है। एनएसजी की टीम में विस्फोटक के विशेषज्ञ शामिल हैं, जबकि एनआईए की टीम में आतंकवादी मामलों के अनुभवी जांच अधिकारी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में उच्च तीव्रता वाले विस्फोट से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। धमाके में 24 लोग घायल हो गए। घायलों को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया।

फरीदाबाद में जैश कनेक्शन, जमू-कश्मीर के 2 डॉक्टर 350 किलो विस्फोटक, एके-47 के साथ गिरफ् तार

नयी दिल्ली १०/११ (संवाददाता): उत्तर प्रदेश के फरीदाबाद में सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े ऑपरेशन में जमू-कश्मीर के दो डॉक्टरों को गिर तार किया है और 350 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त की है। बता दें कि पुलिस ने इस विस्फोटक को अमोनियम नाइट्रेट बताया है, जो किसी बड़े हमला के लिए उपयोग किया जा सकता था। फरीदाबाद पुलिस के साथ ज मू-कश्मीर पुलिस की टीम ने धौज गांव में एक किराए के मकान में यह सामग्री बरामद की हैं। मौके पर एके-47 राइफल, पिस्टल, तीन मैगज़ीन, 20 टाइमर, वॉकी-टॉकी सेट और गोलियां भी जब्त की गई हैं। पुलिस ने बताया कि गिर तार डॉक्टरों में से एक, डॉ. अदिल अहमद

रदर, पहले सहारनपुर में पकड़ा गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने 27 अक्टूबर को श्रीनगर में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोह मद के समर्थन में पोस्टर लगाए थे।फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रदर के पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को डॉ. मुजममिल शकील का पता चला, जो पुलवामा, ज मू-कश्मीर के रहने वाले हैं और फरीदाबाद के अल-फलाह हॉस्पिटल में कार्यरत थे। शकील ने लगभग तीन महीने पहले धौज में मकान किराए पर लिया था, और उसी से विस्फोटक सामग्री बरामद हुई हैं।

गौरतलब है कि प्रारंभिक रिपोर्ट में मीडिया ने इसे ऋष्ठङ्ग बताया था, लेकिन फरीदाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि बरामद सामग्री अमोनियम नाइट्रेट हैं।

विविध समाचार

धीरे-धीरे चलती आयी आई-20 कार, गौरी शंकर मंदिर की लाल बत्ती पर रुकी और फिर जोरदार धमाका....

नयी दिल्ली १०/११ (संवाददाता): राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास खड़ी एक कार में सोमवार शाम जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में व्यस्त समय में हुए विस्फोट के कारण आसपास मौजूद कई वाहनों में आग लग गई, जबकि कई की खिड़कियों के शीशे टूट गए। उन्होंने बताया कि विस्फोट में घायल लोगों को लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया। चांदनी चौक व्यापारी संघ की ओर से साझा किए गए वीडियो में विस्फोट का भयावह मंजर देखा जा सकता है। इस वीडियो में एक शव एक वाहन पर पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। एक अन्य वीडियो में सड़क पर एक शव पड़ा हुआ नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट स्थल के पास शवों के अंग बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे। विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के लाल किला क्षेत्र के पास, गौरी शंकर और जैन मंदिरों के पास, शाम लगभग 6¬52 बजे एक हुंडई द्ब20 कार, जिसमें तीन लोग सवार थे, लाल बत्ती की ओर धीरे-धीरे बढ़ रही थी, तभी उसमें विस्फोट हो गया। इसमें दस लोगों की मौत हो गई और बीस से ज़्यादा घायल हो गए। दिल्ली पुलिस प्रमुख सतीश गोलचा ने बताया, आज शाम करीब 6.52 बजे एक धीमी गति से चल रहा वाहन लाल बत्ती पर रुका। उस वाहन में विस्फोट हुआ और विस्फोट के कारण आस-पास के वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। सूत्रों के अनुसार, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि विस्फोटकों से लदी कार किसी भीड़-भाड़ वाली जगह की ओर जा रही थी और समय से पहले ही उसमें विस्फोट हो गया। यह विस्फोट उसी दिन हुआ जिस दिन एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था और अमोनियम नाइट्रेट सहित 2,900 किलोग्राम बम बनाने वाले रसायन जब्त किए गए थे।हालांकि, पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस विस्फोट का हरियाणा के फरीदाबाद में डॉक्टरों के एक समूह से हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों के बड़े जखीरे की जब्ती से जुड़ी पहले की गिर तारियों से कोई संबंध नहीं है। दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि फिलहाल किसी भी पहलू से इनकार नहीं किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चांदनी चौक के भीड़-भाड़ वाले लाल किला इलाके में हुए विस्फोट की तीव्रता इतनी शक्तिशाली थी कि आस-पास की स्ट्रीट लाइटें कई कारें चकनाचूर हो गईं और 150 मीटर दूर तक उछल गईं।

दिल्ली के प्रतिष्ठित ऐतिहासिक स्मारक लाल किले के पास एक कार में विस्फोट की सूचना मिलने के बाद एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 卐धमाका इतना तेज़ था कि ऐसा लगा जैसे धरती धंस गई हो और मैं मर जाऊँगा।卐 यह विस्फोट सोमवार शाम दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में हुआ। कार में आग लग गई और आस-पास की कई अन्य कारें भी जलकर खाक हो गईं। विस्फोट के बाद, राष्ट्रीय राजधानी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 卐विस्फोट के बाद मैं और कई अन्य लोग भागे। मैं दौड़ते हुए तीन बार गिरा। विस्फोट इतना तेज़ था कि ऐसा लगा जैसे धरती धंस गई हो। हंगामे के दौरान जान बचाने के लिए भाग रहे लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। हमें लगा कि अगर दूसरा विस्फोट हुआ, तो हम सब मर जाएँगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार शाम लाल किले के पास हुए धमाके के बाद स्थिति का जायजा लिया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस धमाके में कम से कम आठ लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के निकट एक कार में उच्च तीव्रता वाला धमाका हुआ, जिससे कई वाहन जलकर खाक हो गए। सरकारी सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और स्थिति की जानकारी ली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट के नजदीक शाम को हुए धमाके में 24 लोग घायल हो गए। घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। चांदनी चौक व्यापार संघ द्वारा साझा किए गए वीडियो में विस्फोट की भयावहता दिखाई दे रही थी। एक शव एक वाहन पर पड़ा दिखाई दे रहा था। एक अन्य वीडियो में सड़क पर एक क्षत-विक्षत शव दिखाई दे रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट स्थल के पास मानव अंग बिखरे पड़े थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, दिल्ली में कार विस्फोट की घटना बेहद दर्दनाक और परेशान करने वाली है। इस अत्यंत दु:ख की घड़ी में, मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि वे घटना की जाँच कर रहे हैं। अभी मैं आपको कुछ नहीं बता सकता। जाँच की जा रही है। मौके पर पहुँचे सीआरपीएफ के डीआईजी ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, मैं अभी घटनास्थल पर जा रहा हूँ...। उप मु य अग्निशमन अधिकारी एके मलिक ने कहा कि उन्हें सूचना मिली कि चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ है। उन्होंने कहा, हमने तुरंत कार्रवाई की और सात यूनिट मौके पर भेजी गईं। शाम 7¬29 बजे आग पर काबू पा लिया गया। हमारी सभी टीमें मौके पर मौजूद हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जान-माल और शरीर के अंगों का नुकसान देखकर वे स्तब्ध रह गए। एक स्थानीय व्यक्ति ने एएनआई से कहा, जब हमने सड़क पर किसी का हाथ देखा, तो हम बिल्कुल स्तब्ध रह गए। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता... एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, जब हम पास पहुँचे, तो हमने सड़क पर शरीर के अंग बिखरे देखे। कोई समझ नहीं पा रहा था कि क्या हुआ। कई कारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एक स्थानीय दुकानदार ने एएनआई को बताया कि उसने अपने जीवन में इतना तेज़ धमाका कभी नहीं सुना था। उसने कहा, विस्फोट के कारण मैं तीन बार गिरा। ऐसा लगा जैसे हम सब मर जाएँगे... इस घटना में कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने एएनआई को बताया कि घायलों में से एक की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा, पंद्रह लोगों को लोक नायक अस्पताल लाया गया है। उनमें से आठ की अस्पताल पहुँचने से पहले ही मौत हो गई। तीन गंभीर रूप से घायल हैं। एक की हालत स्थिर है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के निकट हुए धमाके के बाद हालात का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस प्रमुख और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस धमाके में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और फॉरेंसिक विज्ञान के प्रमुखों को जांच में सहायता करने और साक्ष्य एकत्र करने के लिए विस्फोट स्थल पर विशेषज्ञ टीम भेजने का भी निर्देश दिया। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने विस्फोट के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त, खुफिया ब्यूरो के निदेशक और केंद्रीय गृह सचिव से बात की। उन्होंने बताया कि तीनों शीर्ष अधिकारियों ने गृहमंत्री को घटना के बारे में जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एनएसजी के विशेषज्ञ और एनआईए के जांच अधिकारी विस्फोट स्थल पर पहुंच गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (द्ब्र) लाल किले में हुए विस्फोट की जाँच कर रही है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की जा रही है और अधिकारी विस्फोट के कारणों का पता लगाने और दोषियों का पता लगाने के लिए सभी संभावित पहलुओं की जाँच कर रहे हैं।एनएसजी की टीम में विस्फोटक के विशेषज्ञ शामिल हैं, जबकि एनआईए की टीम में आतंकवादी मामलों के अनुभवी जांच अधिकारी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में उच्च तीव्रता वाले विस्फोट से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। धमाके में 24 लोग घायल हो गए। घायलों को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया।अधिकारियों ने बताया कि एक हुंडई द्ब20 कार में विस्फोट हुआ, जिसमें तीन लोग सवार थे। विस्फोट वाहन के पिछले हिस्से में हुआ और घटनास्थल पर कोई गड्ढा नहीं मिला। अधिकारियों ने पुष्टि की कि घायलों या मृतकों में से किसी के शरीर में कीलें या तार नहीं धँसे थे और पीड़ितों पर जलने या झुलसने के कोई निशान नहीं थे। फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ एक विशेष प्रकोष्ठ की टीम कार के पंजीकरण नंबर का पता लगाने और आगे के सबूत जुटाने के लिए वाहन के अवशेषों की जाँच कर रही है।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक विस्फोट के बाद, पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी सीमाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा बलों ने किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है और गश्त तेज कर दी है। चांदनी चौक बाज़ार मंगलवार को बंद रहेगा बाज़ार संघ के अध्यक्ष संजय भार्गव ने कहा कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद, चांदनी चौक बाज़ार मंगलवार को बंद रहेगा। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब अधिकारी जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इलाके में जाँच और सुरक्षा जाँच जारी रखे हुए हैं।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए वाहन विस्फोट के बाद, दिल्ली मेट्रो, लाल किला, सरकारी इमारतों और आईजीआई हवाई अड्डे सहित सीआईएसएफ द्वारा सुरक्षित सभी प्रतिष्ठानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कर्मी तैयार हैं।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट के बाद एलएनजेपी अस्पताल में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

लाल किला विस्फोट पर राहुल गांधी बोले, यह हृदयविदारक है, मैं पीड़ित परिवारों के साथ हूँ

१०/११ (संवाददाता): कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन पर हुए दुखद कार विस्फोट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। गांधी ने कहा कि वह %उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।गांधी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की खबर बेहद हृदयविदारक और चिंताजनक है।

इस दुखद घटना में कई निर्दोष लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने आगे कहा, दुख की इस घड़ी में, मैं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।इस बीच, महाराष्ट्र विधानसभा सदस्य आदित्य ठाकरे ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया। दिल्ली में लाल किले के पास हुआ विस्फोट वाकई चौंकाने वाला है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ, साथ ही इस भयानक विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए भी प्रार्थना करता हूँ, उन्होंने एक्स पर लिखा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, शरद पवार ने भी इस घातक घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट में बहुमूल्य जानों के नुकसान के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की ख़बर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। इस दुखद हादसे में कई निर्दोष लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

बिहार चुनाव में जाति नहीं, अच्छे समाज के लिए वोट करेगी जनता-प्रशांत किशोर

पटना १०/११ (संवाददाता): जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को विश्वास जताया कि बिहार के लोग खुद को धर्म और जाति तक सीमित नहीं रखेंगे और एक अच्छे समाज की ठोस नींव रखने के लिए वोट देंगे। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान का भी ज़िक्र किया। पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने किशोर ने मंगलवार को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि बिहार के लोग आने वाले समय में जाति, धर्म और धन-संपत्ति से ऊपर उठकर एक अच्छे समाज के लिए वोट करेंगे। विधानसभा चुनाव पर राज्य भर से मिली प्रतिक्रिया के बारे में किशोर ने कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार बिहार में इतनी बड़ी सं या में

वोट पड़े हैं... लोगों ने इतनी बड़ी सं या में वोट इसलिए दिए हैं ताकि बिहार से भ्रष्टाचार का खात्मा हो सके। इस बीच, एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, किशोर ने रविवार को दावा किया कि बिहार के मु यमंत्री नीतीश कुमार सत्ता से बाहर होने वाले हैं, और ज़ोर देकर कहा कि मौजूदा विधानसभा चुनावों में देखा गया भारी मतदान सत्तारूढ़ सरकार के समर्थन के बजाय सत्ता-विरोधी भावनाओं को दर्शाता है। जन सुराज प्रमुख ने आगे कहा कि राज्य का चुनावी माहौल बहुत अव्यवस्थित है, और आगाह किया कि वैज्ञानिक एग्ज़िट पोल के बिना, नतीजों के बारे में कोई भी अनुमान निराधार है।

चुनाव आयोग को मृत कहने पर रविशंकर प्रसाद गरजे, संस्थाओं पर हमला तेजस्वी की फितरत

पटना १०/११ (संवाददाता): चुनाव आयोग को मृत और औज़ार कहने पर राजद नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा कि लोकतंत्र के सभी महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करना उनकी फितरत है, और कहा कि विधानसभा चुनाव जंगल राज और सुशासन के बीच की लड़ाई है।

भाजपा नेता ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि मेरा प्रतिवाद यह है कि चाहे राहुल गांधी हों या उनके सहयोगी दल, जब भी उन्हें अपनी मनचाही चीज़ नहीं मिलती, वे चुनाव आयोग, अदालतों, कैग और संसद जैसी संस्थाओं के बारे में ओछे बयान देने लगते हैं। लोकतंत्र के सभी महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करना उनकी फितरत है।

प्रसाद ने आगे कहा कि

यह चुनाव जंगल राज और सुशासन के बीच है। तेजस्वी अपने पिता की कुशासन, भ्रष्टाचार और भय की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। तेजस्वी यादव अपने पिता के जंगल राज की विरासत के मुखिया हैं... दोनों बार जब नीतीश कुमार लालू परिवार से अलग हुए, तो उन्होंने कहा कि उनके पास बिहार में भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। तेजस्वी यादव की इस टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए कि उद्योग केवल भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों स्थापित किए जाते हैं, प्रसाद ने कहा कि पूर्व उपमु यमंत्री को अपना होमवर्क करने की जरूरत है।

तेजस्वी ने आज कहा कि सारे उद्योग सिर्फ़ भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों लग रहे हैं? बिहार या तमिलनाडु में क्यों नहीं? मैं हमेशा कहता हूँ कि राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते। लगता है उनके साथ रहकर तेजस्वी भी उसी हालत का शिकार हो गए हैं। तेजस्वी, थोड़ा होमवर्क ज़रूर करें। आप मु यमंत्री पद के उ मीदवार हैं, हालाँकि आप कभी बनेंगे नहीं। इससे पहले आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राजद नेता और महागठबंधन के मु यमंत्री पद के उ मीदवार तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए पुरुष और महिला मतदाताओं के आँकड़े प्रकाशित न करने पर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण माँगा और इसे मृत और औज़ार बताया।

जेल में आतंकियों-रेपिस्टों को वीआईपी ट्रीटमेंट, कर्नाटक सरकार ने जांच के आदेश दिए

बेंगलुरु १०/११ (संवाददाता): कर्नाटक की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल एक बार फिर सुरक्षा चूक को लेकर सुर्खियों में है। जेल के अंदर आतंकवादी और सीरियल रेपिस्ट सहित कु यात कैदियों द्वारा कथित तौर पर मोबाइल फोन इस्तेमाल करने, टीवी देखने और वीआईपी ट्रीटमेंट लेने के वीडियो सामने आने के बाद राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने स त रुख अपनाया है।

वीडियो सामने आने के बाद होम मिनिस्टर जी परमेश्वर ने कहा कि ऐसी चीजें बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं और इस मामले को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा, %अगर यह चलता रहा, तो इसे अब जेल नहीं कहा जा सकता।%

परमेश्वर ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बी. दयानंद को

मामले की जांच करने और रिपोर्ट सौंपने को कहा है। उन्होंने कहा, %पहले भी, जब ऐसी घटनाएं हुईं, तो हमने अधिकारियों को सस्पेंड किया और कार्रवाई की।% उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कैदी के पास चाहे वह आतंकवादी हो या कोई और, फोन नहीं होना चाहिए।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि अगर पुलिस रिपोर्ट संतोषजनक नहीं हुई, तो एक और कमेटी बनाई जाएगी या अलग जांच की जाएगी। उन्होंने बेंगलुरु, बेलगावी और मंगलुरु में ऐसी घटनाओं के बार-बार होने पर भी रिपोर्ट मांगी है। कर्नाटक के मु यमंत्री सिद्धारमैया ने भी कथित तौर पर मामले की जांच करने और जरूरी एक्शन लेने का आश्वासन दिया है।

परप्पना अग्रहारा जेल से सामने आए कथित वीडियो में दो प्रमुख कैदी दिखाई दिए हैं। पहला, कथित आईएसआईएस रिक्रूटर जुहैब हमीद शकील मन्ना जो कंप्यूटर एप्लीकेशन स्पेशलिस्ट है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

सबसे बेहतर माना जाता है ओ निगेटिव ब्लड

शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम खून करता है। इंसान के खून का रंग बेशक लाल है लेकिन इसके कई ग्रुप हैं और हर सभी लोगों के शरीर में अलग-अलग ग्रुप का खून पाया जा सकता है। वास्तव में आपका ब्लड टाइप क्या है, यह आपको विरासत मे मिले जीनों द्वारा निर्धारित होता है। आपके खून का प्रकार कोई भी हो, आपके द्वारा डोनेट किये ब्लड किसी की जिंदगी बचाने का काम कर सकता है। जब बात यह होती है कि सबसे बढ़िया खून कौन सा होता है, तो ओ निगेटिव ब्लड को सबसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इस ग्रुप के लोग किसी को अपना खून दे सकते हैं। थोड़ी गड़बड़ी यह है कि इस समूह के लोग सिर्फ इसी ग्रुप का ब्लड ले सकते हैं। ओ निगेटिव ब्लड के लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, यह खास तरह का खून है, जो किसी की भी जिंदगी बचा सकता है इसलिए इस समूह के लोगों को इसकी हिफाजत करना जरूरी है। इसके लिए आपको खाने-पीने का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपनी डाइट में नीचे बताए खाद्य पदार्थों को जरूरी शामिल करना चाहिए।

नट्स

नट्स प्रोटीन और हेल्दी फैट का एक बड़ा स्रोत हैं। ब्लड हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए आपको नट्स का खूब सेवन करना चाहिए। आपको रोजाना अखरोट, हेज़लनट्स और बादाम सहित कद्दू के बीज आदि का सेवन करना चाहिए।

एनिमल प्रोटीन

इस समूह के लोगों को अपनी डाइट में एनिमल प्रोटीन जरूरी शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मांस और मछली का खूब सेवन करना चाहिए। यह चीजें आपके खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं।

डेयरी उत्पाद

ओ ब्लड ग्रुप टाइप वाले लोगो को अपने खाने में मक्खन, पनीर और सोय दूध जैसे डेयरी उत्पादों को शामिल करना चाहिए। यह चीजें न सिर्फ खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि शरीर के लिए बढ़िया काम करती हैं।

बीन्स

टाइप ओ ब्लड वाले लोगों को बीन्स का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बीन्स उनकी सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आपको ओनी डाइट में लाल फलियां, पिंटो बीन्स और ब्लैक बीन्स आदि को शामिल करना चाहिए।

साबुत अनाज

आपका ब्लड टाइप ओ पॉजिटिव हो या निगेटिव, आपको साबुत अनाज का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको अपने खाने में चौलाई, अनाज, चावल और बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल-सब्जियों का सेवन

ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को टमाटर, लहसुन, गोभी, भिन्डी, प्याज, अजमोद, लाल मिर्च, शकरकंद और शलजम जैसी सब्जियों का खूब सेवन करना। इनमें वो सभी पोषक तत्व होते हैं, जो खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अगर बात करें फलों की तो आप प्लम, ड्राई प्लम, अंजीर, चकोतरा और सभी तरह की बेरीज खा सकते हैं।

शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए इन चीजों का सेवन जरूरी

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नही होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए।

आयरन की कमी से होने वाले रोग

आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय

इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?

- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन

खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके

- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

इन लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?

- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

- ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं।
- नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

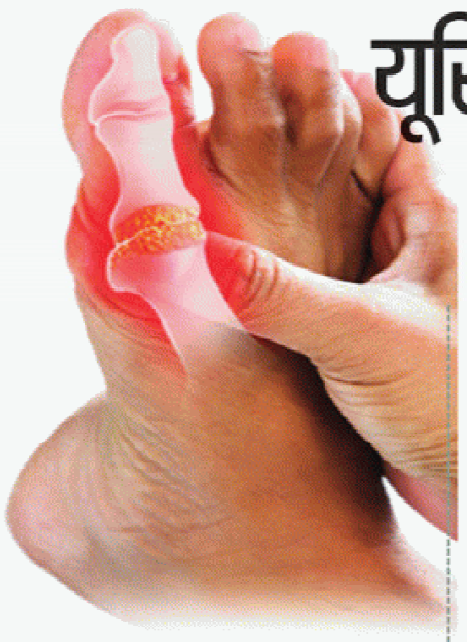

यूरिक एसिड बढ़ने से हो सकती है किडनी की पथरी की समस्या

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला

आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी

लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक

गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी

गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की दवा है नीम

नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

मंगलवार 11 नवंबर 2025

एक और तेजाब कांड, समाज पर सवाल

दिल्ली यूनिवर्सिटी के लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास एक छात्रा पर तेजाब से हमले की घटना सामने आई है। पीड़िता नॉन कॉलेजिएट वीमेन्स एजुकेशन बोर्ड के तहत शिक्षा हासिल कर रही है, वह कॉलेज की नियमित छात्रा नहीं है। रविवार को जब वह अपनी कक्षा के लिए जा रही थी, तभी कॉलेज परिसर के बाहर बाइक सवार युवकों ने उस पर तेजाब फेंका, अपने चेहरे को बचाने के लिए छात्रा ने हाथ ढंके तो उसके हाथ बुरी तरह जल गए। पीड़िता को इलाज के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें मु य आरोपी जितेंद्र के बारे में खबर है कि वह करीब एक महीने से छात्रा का पीछा कर रहा था। हालांकि इसमें गंभीर घटना में एक नया मोड़ तब आया, जब आरोपी जितेंद्र की पत्नी ने पीड़िता के पिता पर बलात्कार का इल्जाम लगाकर ब्लैकमेल करने की बात कही। आरोपी की पत्नी ने पुलिस में शिकायत की है, जिसके मुताबिक, वह एसिड अटैक पीड़िता के पिता के पास काम करती थी, जहां पीड़िता के पिता ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए और फिर ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने बलात्कार और ब्लैकमेल की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अब पुलिस तेजाब के हमले के साथ–साथ आरोपी की पत्नी के लगाए बलात्कार के आरोप के मामले की भी जांच करेगी। इधर पीड़िता ने भी बयान दिया है कि आरोपी जितेंद्र की पत्नी उसे ऐसे कामों को करने के लिए उकसाती है। पीड़िता का कहना है कि उसकी आरोपियों से कुछ दिन पहले बहस हुई थी, क्योंकि उसने आरोपी की पत्नी से छेड़खानी की शिकायत की थी। यह मामला एक तरफ देश में कानून व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर रहा है, वहीं समाज के बिखरते ताने–बाने को भी दिखा रहा है। बलात्कार के बदले के लिए तेजाब फेंकना आंख के बदले आंख वाली निकृष्ट सोच का परिचायक है। अगर एक महिला के साथ बलात्कार जैसा घिनौना कृत्य हुआ है, तो इसकी सजा दोषी को जरूर मिलनी चाहिए, लेकिन उसके परिवार की महिलाओं पर भयावह अत्याचार किसी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं कहा सकता। आरोपी की पत्नी ने पीड़िता पर तेजाब फेंके जाने के बाद खुद के साथ बलात्कार और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं की बात क्यों कही, इस बारे में पहले ही अगर शिकायत दर्ज होती तो एक और निर्दोष युवती को तेजाब का शिकार होने से बचाया जा सकता था। गौरतलब है कि देश में कड़े कानून के बावजूद महिलाओं पर तेजाबी हमलों के मामले रुक नहीं रहे हैं। राज्य बदलते हैं, कारण बदलते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए हिंसक सोच और हैवानियत भरे अपराध नहीं थमते। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 124 के तहत अगर किसी भी इंसान पर तेजाब फेंककर, पिलाकर, या किसी भी अन्य तरीके से उसके शरीर को स्थायी या आंशिक नुकसान पहुंचाया जाता है, गंभीर चोट पहुंचाने की कोशिश होती है, इसे तेजाब का हमला माना जाएगा। ऐसे मामलों में आरोपी को 10 साल तक की सजा हो सकती है, और अलग से जुर्माना लग सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि पूरी दुनिया में तेजाब से हमलों के मामले एशियाई देशों में सबसे ज्यादा देखे गए हैं। उसमें भी बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, कोलंबिया और कंबोडिया वो प्रमुख देश हैं जहां सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो भारत में पिछले पांच सालों में एसिड अटैक के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। एसिड सर्वाइवर फाउंडेशन के मुताबिक 70 प्रतिशत मामलों में पीड़ित कोई महिला ही होती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नॉलॉजी इन्फर्मेशन ने तेजाब से हमले को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी। 2024 में प्रकाशित हुई उस रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश दो ऐसे राज्य रहे जहां पर सबसे ज्यादा एसिड अटैक के केस सामने आए। वहीं बात जब महानगरों की आती है तो राजधानी दिल्ली इस मामले में शीर्ष पर है। अच्छी बात ये है कि पहले की तुलना में तेजाब फेंकने की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन अगर एक भी ऐसा मामला दर्ज होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता करने की बात है।

गज़ा में शांति की एक और योजना की सफलता संदिग्ध

डॉ. मलय मिश्रा

शांति बेहद नाजुक है, ट्र प इ प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिस्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिस्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। युद्ध के दो साल गुजरने के साथ आधुनिक युग के रक्तरंजित इतिहास में उत्तरी सीमा के दोनों किनारों पर जश्न मनाया गया क्योंकि अमेरिकी नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था द्वारा फिलिस्तीन पर ऐतिहासिक गज़ा शांति योजना थोपी गई थी। इस योजना के पिछली योजना की तरह मिट्टी में मिलने की संभावना है। इसमें जनवरी समझौता भी शामिल है जिसका इज़रायल ने केवल दो महीने बाद उल्लंघन किया था। सत्ता में बने रहने के लिए इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समझौते को (जिसके केवल पहले चरण के लिए अंतिम रूप दिया गया) नष्ट करने की कोशिश करेंगे क्योंकि इज़रायली सुप्रीम कोर्ट उन्हें पद से हटाने के लिए इंतजार कर रहा है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्र प ने पहले चरण की योजना पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि, वे इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि इज़रायल हमास पर फिर से हमला नहीं करेगा। इज़रायल के रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने इज़रायल डिफेन्स फोर्स (आईडीएफ) को शांति योजना का मामला हल होने के बाद हमास के आतंकवादियों का शिकार करने का आदेश दिया है। शांति योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है तथा हमास की कैद से जीवित 20 बंधकों को रिहा कर दिया गया है जबकि इज़रायल ने लगभग दो हजार फिलिस्तीनी आतंकवादियों और नागरिकों को मुक्त करने के अपने समझौते को पूरा किया है। 13 अक्टूबर को मिस्र एवं अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से मिस्र के रिसॉर्ट शहर शर्म अल–शेख में आयोजित समारोह में पश्चिमी दुनिया के साथ–साथ इस क्षेत्र के लगभग बीस विश्व नेता अमेरिकी राष्ट्रपति की सराहना करने के लिए एकत्र हुए। इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया जिन्होंने %शांति के लिए अथक प्रयासों% के लिए ट्र प को यह पुरस्कार समर्पित किया। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए मचाडो के नाम पर उंगलिया उठ रही हैं क्योंकि मचाडो ने न केवल गज़ा में नेतन्याहू के नरसंहार कार्यों का समर्थन किया बल्कि वेनेज़ुएला में लोकतंत्र वापस लाने की आड़ में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से लड़ने के लिए समर्थन भी मांगा है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गज़ा पर प्रशासन करने के लिए अधिकृत संयुक्त राष्ट्र और कथित तौर पर वेस्ट बैंक पर शासन कर रहे फिलिस्तीन प्राधिकरण से शांति योजना पर किसी भी तरह से परामर्श नहीं किया गया। उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष नवी पिल्ले ने दावा किया कि फिलिस्तीन इस योजना का एक पक्ष नहीं था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग वह निकाय है जिसने इज़रायल को नरसंहार के लिए जि मेदार पाया था। बाद में दक्षिण अफ्रीका इस मामले को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया था।

हमास के निरस्त्रीकरण और गज़ा के भविष्य के शासन से निपटने वाली योजना का दूसरा चरण अधर में लटका हुआ है क्योंकि हमास योजना के बाद के चरणों के लिए सहमत नहीं हुआ है। हमास का यह कदम नेतन्याहू के नेतृत्व वाली धुर दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के लिए उपयुक्त है क्योंकि वह आगामी सभी समस्याओं के लिए हमास की हठधर्मिता की ओर अंगुली दिखाएगा। यह

उपनिवेशवाद से मुक्ति के प्रणेता द रेच ऑफ द अर्थ के लेखक फ्रांज़ फैनन कहते हैं- उपनिवेशवाद से मुक्ति वास्तव में नवनिर्माण है लेकिन इस रचना की वैधता का श्रेय किसी

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि गुरिल्लाओं ने सभी बाधाओं का सामना किया है और अरब ब्लॉक के भीतर अपनी छवि के अलावा बड़े पैमाने पर लोगों व हथियारों को खो दिया है। जिन लोगों के पास रहने के लिए जगह नहीं है, जिनके पास रहने के लिए घर नहीं थे, जहां 67 हजार से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई, महिलाओं और बच्चों की हत्याएं कर दी गई, कई अपंग हो गए, बलात्कार किया गया और उन्हें भूखा मार डाला गया। अस्पतालों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों पर बमबारी की गई, भोजन व चिकित्सा आपूर्ति को हथियारों से उड़ा दिया गया, आखिरकार उनके पास क्या विकल्प हो सकते थे?

आश्चर्य की बात नहीं है कि गुरिल्लाओं ने सभी बाधाओं का सामना किया है और अरब ब्लॉक के भीतर अपनी छवि के अलावा बड़े पैमाने पर लोगों व हथियारों को खो दिया है। जिन लोगों के पास रहने के लिए जगह नहीं है, जिनके पास रहने के लिए घर नहीं थे, जहां 67 हजार से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई, महिलाओं और बच्चों की हत्याएं कर दी गई, कई अपंग हो गए, बलात्कार किया गया और उन्हें भूखा मार डाला गया। अस्पतालों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों पर बमबारी की गई, भोजन व चिकित्सा आपूर्ति को हथियारों से उड़ा दिया गया, आखिरकार उनके पास क्या विकल्प हो सकते थे? भी अलौकिक शक्ति को नहीं है; जिस चीज को उपनिवेश बनाया गया है, वह उसी प्रक्रिया के दौरान मजबूत हो जाता है जिसके द्वारा वह खुद को मुक्त करता है। हमास ने फिलिस्तीनी लोगों के अपने लिए, अपने आत्मनिर्णय और संप्रभुता के लिए बोलने के अधिकार का आत्मसमर्पण करना उचित नहीं समझा है। गज़ा पर शासन करने की हमास की वैधता 2006 के चुनावों में मिले जनादेश से प्राप्त होती है इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अब फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने की मांग करने वाली पश्चिमी शक्तियां इसे एक आतंकवादी समूह के रूप में मानती हैं या नहीं। पीएम मोदी ने 9 अक्टूबर को पीएम नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्र प दोनों को कई बार बधाइयां दीं लेकिन दिल्ली की राजनीतिक सोच में स्पष्ट रूप से गज़ा या हमास अनुपस्थित रहा है। यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि भारत ने अब तक हमास को आतंकवादी समूह घोषित नहीं किया है। फिर, सार्वजनिक स्थान पर गज़ा का उल्लेख या नागरिक समाज की बातचीत में खतरे की घंटी क्यों बजती है? यह ध्यान देने वाली बात है कि 1974 में पीएलओ को मान्यता देने वाले पहले गैर-अरब देशों में से भारत एक था। उसने 1998 में फिलिस्तीन को एक स प्रभु देश के रूप में मान्यता दी थी और 1946 में संयुक्त राष्ट्र में आत्मनिर्णय और रंग-भेद के उन्मूलन के मुद्दे को उठाने के लिए गुटनिरपेक्ष समूह कानेता रहा था।

नवंबर, 1938 में हरिजन में गांधीजी ने लिखा था, %यहूदियों के प्रति मेरी सहानुभूति मुझे न्याय की आवश्यकताओं के प्रति अंधा नहीं करती है। यहूदियों को अरबों पर थोपना गलत और अमानवीय है। भारत ने 1947 की संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना के आधार पर तैयार संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 का विरोध किया था। इज़रायल के नरसंहार कार्यों की आलोचना करने और गज़ा में तत्काल युद्धविराम के प्रस्ताव को वीटो करने वाले कई प्रस्तावों के संदर्भ में 153 सदस्य देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र के पटल पर द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के समर्थन में इसकी तुलना भारत के मतदान के वर्तमान पैटर्न से करें तो यह दिल्ली के लिए एक असुविधाजनक प्रस्ताव रहा है। जब फिलिस्तीन सार्वजनिक चर्चा में निषिद्ध हो गया है तो यह स्थिति इतिहास और फिलिस्तीनी मुद्दे के लिए भारत के समर्थन की लंबी परंपरा को नकारने के समान है। ट्र प शांति योजना, हमास के लिए आत्मसमर्पण का एक चतुराई से हेर-फेर की गई योजना है जो फिलिस्तीनी स्वायत्तता के लिए अभी या भविष्य में किसी भी प्रकार की और न ही संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण में इसकी भागीदारी के लिए कोई गुंजाइश छोड़ता है। योजना की अस्पष्टता के लिए इसकी आलोचना की गई है और यह वैश्विक नियम-आधारित गिरोह द्वारा वैश्विक पूंजीवाद की मिलीभगत के साथ दूर-दराज़ ईवैन्जलिज़्म और ज़ायोनी समर्थन (ज़ायोनीवाद एक राष्ट्रवादी आंदोलन है जो यहूदियों के लिए उनकी ऐतिहासिक मातृभूमि, इज़रायल में एक यहूदी राज्य की स्थापना और उसके अस्तित्व का समर्थन करता है) के वैचारिक पोषण के साथ ऊपर से नीचे थोपना है। इस प्रकार शांति शिखर स मेलन और गज़ा की निकटवर्ती परिधि से आईडीएफ की वापसी के तुरंत बाद इजरायली जेल से रिहा किए गए आतंकवादियों ने सार्वजनिक रूप से कई तथाकथित काफिरों का कत्लेआम कर दिया है। इन घटनाओं के बाद खाद्य सहायता रोक दिए जाने के कारण गज़ा इलाके में फिर से अराजकता का माहौल है। शांति बेहद नाज़ुक है, ट्र प इ प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिस्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिस्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। इजरायल पर 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए हमास के हमले के अन्यायपूर्ण प्रतिशोध के रूप में अत्याचार हुए हैं। वैश्विक व्यवस्था को यह समझने की जरूरत है कि थोपी गई शांति कभी भी मातृभूमि की न्यायसंगत मांगों की बढ़ती चुनौती का सामना नहीं कर सकती है।

यह महंगाई नहीं, नग्न बाजारवाद का बेशर्म परीक्षण है!

जब आपूर्ति कम होती है तो बाजार में चीजें दिखाई नहीं पड़ती हैं और उनकी कालाबाजारी होती है। अभी न तो जमाखोरी हो रही है, न ही कालाबाजारी। हो रही है तो सिफ़ ˊऔर सिफ़ ˊबेहिसाब–बेलगाम मुनाफाखोरी। इसे नग्न बाजारवाद का बेशर्म परीक्षण भी कह सकते हैं। जाहिर है कि सरकार या सरकारों ने अपने आपको जनता से काट लिया है। यह हमारे लोकतंत्र का बिल्कुल नया चेहरा है- घोर जनद्रोही और शुद्ध बाजारपरस्त। इस समय राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आ रही तमाम दारुण खबरों के बीच आम आदमी के लिए सबसे ज्यादा निराश–हताश करने और डराने वाली खबर यह है कि उसे महंगाई से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं। %बहुत हुई महंगाई की मार...% का नारा लगाकर 2014 में प्रधानमंत्री बने नरेन्द्र मोदी, उनकी सरकार और उनकी पार्टी तो अब कभी भूल से भी महंगाई का नाम नहीं लेती। दो महीने पहले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था, %मैं जल्दी ही एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूं, जो आपको %डबल दिवाली% का अहसास कराएगा।% उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों में सुधार करने की बात करते हुए कहा था कि लोगों को दिवाली का तोहफा मिलेगा और उनका जीवन आसान होगा। फिर पिछले महीने यानी सितंबर की 21 तारीख को राष्ट्र के नाम संदेश में उन्होंने जीएसटी की दरों में कटौती का ऐलान करते हुए दावा किया कि इससे आम लोगों को 2.5 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित बचत होगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीएसटी की दरों में सुधार से रोजमर्रा की कई जरूरी चीजें कर मुक्त और कई चीजें सिर्फ पांच फीसदी टैक्स के दायरे में आ गई हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी इस घोषणा को %जीएसटी बचत उत्सव% का नाम दिया।

प्रधानमंत्री की इस घोषणा का मीडिया ने जोर–शोर से प्रचार किया। खुद सरकार ने भी मोदी को गरीबों का मसीहा बताते हुए इसके प्रचार–प्रसार पर अरबों रुपये फूंक डाले। जबकि हकीकत यह है कि जीएसटी की दरों में कटौती का यह फैसला जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिया गया था। गौरतलब है कि देश के सभी राज्यों के मु यमंत्री जीएसटी परिषद के सदस्य हैं। इसलिए जीएसटी की दरों में कटौती का फैसला अकेले प्रधानमंत्री का नहीं बल्कि सभी राज्यों के मु यमंत्रियों की सहमति से लिया गया था। ऐलान पीएम ने किया था। अगर सभी राज्य सहमत नहीं होते तो यह फैसला नहीं हो सकता था।

बहरहाल गाजे–बाजे के साथ हुई प्रधानमंत्री की घोषणा के बावजूद बाजार में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं मसलन अनाज, दाल–दलहन, आटा, चीनी, मसाले, सब्जी, फल, दूध, खाद्य तेल, घी, दवाई, साबुन, कपड़ा, चप्पल–जूते आदि की कीमतों में रत्ती भर की कमी नहीं आई है। हां, कुछ चीजों के दामों में पहले की अपेक्षा कुछ बढ़ोतरी जरूर हो गई है। पेट्रोल और डीजल के दाम पहले से ही बढ़े हुए हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनके दामों में निरंतर कमी आ रही है।

ऐसा नहीं कि महंगाई का कहर हाल के वर्षों में कोई पहली बार टूटा हो। महंगाई पहले भी होती रही है। जरूरी चीजों के दाम पहले भी अचानक बढ़ते रहे हैं, लेकिन थोड़े समय बाद फिर नीचे भी आए हैं परन्तु इस समय तो मानो बाजार में आग लगी हुई है। वस्तुओं की लागत और उनके बाजार भाव में कोई संगति नहीं रह गई है। इस मामले में आम आदमी लाचार और असहाय होते हुए जिस सरकार से आस लगाए हुए है कि वह कुछ करेगी, वह सरकार सिर्फ निर्गुण विकास, स्वदेशी और राष्ट्रवाद का बेसुरा राग अलापते हुए जनता को आत्मनिर्भर बनने की नसीहत दे रही है।ृद्यह्वश ऋद्धड्डस्र - सामाजिक कार्यकर्ता की सजीव खेती कीमतों की इस दोहरी मार ने आम आदमी के भोजन के इंतज़ाम को इकहरा कर दिया है। इस सिलसिले में सरकार की ओर से कभी–कभार दी जाने वाली सफाई भी कतई विश्वसनीय नहीं है। मानसून का कमज़ोर रहना या पर्याप्त बारिश नहीं होना, ऐसा कारण नहीं है कि इनका असर सभी चीजों पर एक साथ पड़े। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि कीमतें इतनी ज्यादा होने के बावजूद बाजार में किसी भी आवश्यक वस्तु का अकाल–अभाव दिखाई नहीं पड़ता। जब आपूर्ति कम होती है तो बाजार में चीजें दिखाई नहीं पड़ती हैं और उनकी कालाबाजारी होती है। अभी न तो जमाखोरी हो रही है, न ही कालाबाजारी। हो रही है तो सिफ़ ˊऔर सिफ़ ˊबेहिसाब–बेलगाम मुनाफाखोरी। इसे नग्न बाजारवाद का बेशर्म परीक्षण भी कह सकते हैं। जाहिर है कि सरकार या सरकारों ने अपने आपको जनता से काट लिया है।

यह हमारे लोकतंत्र का बिल्कुल नया चेहरा है- घोर जनद्रोही और शुद्ध बाजारपरस्त। तीन दशक पहले तक जब किसी चीज के दाम असामान्य रूप से बढ़ते थे तो सरकारें कुछ तो हस्तक्षेप करती थीं। यह अलग बात है कि इस हस्तक्षेप का कोई खास असर नहीं होता था, क्योंकि उस मूल्य वृद्धि की वजह वाकई उस चीज की दुर्लभता या अपर्याप्त आपूर्ति होती थी। यह स्थिति पैदा होती थी उस वस्तु के कम उत्पादन की वजह से। अब तो सरकारों ने औपचारिकता या दिखावे का हस्तक्षेप भी बंद कर दिया है। वे बिल्कुल बेफ़िक्र हैं- महंगाई का कहर झेल रही जनता को लेकर भी और जनता को लूट रही बाजार की ताकतों को लेकर भी। कुछ साल पहले तक महंगाई पर लगाम लगाने के मक़सद से रिज़र्व बैंक भी हरक़त में आता था और अपने स्तर पर कुछ कदम उठाता था, लेकिन अब महंगाई उसकी चिंता के दायरे में नहीं आती। उसकी स्वायत्ता का अब अपहरण हो चुका है। अब उसका पूरा ध्यान सरकार के दुलारे शेयर बाजार को तंदुरुस्त बनाए रखने और सरकार की गड़बड़ियों को छुपाने में लगा रहता है। महंगाई को लेकर सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि समूची राजनीति उदासीन बनी हुई है। पहले जब महंगाई बढ़ती थी तो उस पर संसद में चर्चा होती थी। विपक्ष सरकार को सवालों के कठघरे में खड़ा करता था। सरकार भी महंगाई को लेकर चिंता जताती थी। वह महंगाई के लिए जि मेदार बाजार के बड़े खिलाड़ियों को डराने या उन्हें निरुत्साहित करने के लिए कठोर कदम भले ही न उठाती हो, पर स त बयान तो देती ही थी। अब तो ऐसा भी कुछ नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के दस वर्ष के कार्यकाल में 16 मर्तबा संसद में महंगाई के सवाल पर बहस हुई। उससे पहले एनडीए सरकार के छह वर्ष के कार्यकाल में भी 8 मर्तबा इस सवाल पर संसद में ल बी बहसें हुई थीं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल यानी 16वीं लोकसभा में भी तीन बार संसद में महंगाई पर चर्चा हुई, लेकिन उनके दूसरे कार्यकाल यानी 17वीं लोकसभा के किसी भी सत्र में महंगाई पर कोई चर्चा नहीं हुई। मौजूदा यानी 18वीं लोकसभा के भी अब तक चार सत्र बीत चुके हैं पर महंगाई का ज़िक्र तक नहीं हुआ है। विपक्ष की ओर से यह मुद्दा उठाने की कोशिश भी की गई तो उसे या तो सत्तापक्ष की नारेबाजी और शोर–गुल में दबा दिया गया या फिर स्पीकर और सभापति ने मुद्दे को उठाने से ही रोक दिया। पाकिस्तान में टमाटर और प्याज के दाम बढ़ने को लेकर कई–कई दिनों तक शोर मचाने वाला भारत का टेलीविज़न मीडिया भी अपने देश की महंगाई का कभी भूले से भी ज़िक्र नहीं करता।

विविध समाचार

शौक के लिए क्राइम की दुनिया में नहीं आया था अमन साहू, एक बार पुलिस को बताई थी असली वजह

धनबाद १०/११ (संवाददाता): गैंगस्टर अमन साहू रांची से सटे ठकुरगांव के मतबे का रहनेवाला एक सीधा.साधा लड़का था। उसने 17 साल की उम्र में अपराध की दुनिया में कदम रखा और देखते ही देखते झारखंड पुलिस को परेशान करने लगा। जानकारों की मानें तो शुरुआती दिनों में अमन किसी से झगड़ा लड़ाई तक नहीं करता थाए लेकिन मैट्रिक तक जाते.जाते उसकी संगत बिगड़ गई। उसी दौरान उसे पहली बार एक केस में जेल जाना पड़ा था। उसे करीब 10 महीने तक जेल में रहना पड़ा था। उसके बाद अमन ने आगे की पढ़ाई पूरी की।

अच्छे नंबरों से इंटर पास कियाए फिर डिप्लोमा किया। इसके बाद उसने मोबाइल की दुकान खोली थी।

फिर वह धीरे.धीरे अपराधियों के संपर्क में आता गया और उसकी धाक बढ़ने लगी। एक दिन ऐसा भी आया जब अमन ने हत्या की वारदात को अंजाम देना शुरू कर दिया था। वह अपने साथ पढ़े.लिखे हाईटेक युवाओं को पैसे का लालच देकर जोड़ता था।

इस बीच पुलिस ने अमन को पहली बार 2019 में गिर तार किया था। हालांकिए वह पुलिस की गिर त से भाग निकलने में सफल रहा था। फिर किसी तरह तीन साल बाद 2022 में पुलिस की गिर त में आया। करीब 15 वर्षों तक अमन गैंग ने राज्य के कोयला कारोबारियों की नाक में दम कर रखा था। उसके गैंग के निशाने पर धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, पलामू, चतरा, लातेहार, रांची, रामगढ़ सहित कई जिलों के कारोबारी और ठेकेदार रहे। उनसे फोन कर रंगदारी मांगी जाती थी और रंगदारी की रकम नहीं देने पर हत्या तक करने से गैंग पीछे नहीं हटता था। अमन जेल से ही अपना आपराधिक नेटवर्क चलाता था। वर्ष 2022 में जब वह गिरिडीह जेल में बंद थाए उस दौरान उसने जेलर प्रमोद कुमार को मारने के लिए जेल में ही बंद दो अपराधियों को सुपारी दे दी थी। इसके लिए पहले दोनों का बेल कराया। जेल से बाहर आने के बाद युवकों ने जेलर पर फायरिंग कर दी थी। हालांकिए उस घटना में जेलर बाल.बाल बच गए थे। बाद में अमन को गिरिडीह से पलामू सेंट्रल जेल शि ट कर दिया गयाए लेकिन वहां से भी वह अपने नेटवर्क के जरिए आपराधिक गतिविधियां बढ़ाता रहा। उसका नाम अंडरवर्ल्ड डॉन लॉरेंस से भी जुड़ा। जानकारों की मानें तो अमन खुद पलामू पुलिस की पूछताछ में बोल चुका था कि वह शौक से अपराध की दुनिया में आया है। वह एक बड़ा डॉन बनना चाहता है। उसकी चाहत थी कि देश में सबसे अधिक केस उस पर हों ताकि देश ही नहींए विदेश में भी लोग उसे जान सकें। अब अमन की मौत के बाद कोयलांचल के कारोबारी राहत की सांस ले रहे हैं।

गैंगस्टर अमन साहू का एनकाउंटर क्यों करना पड़ा? एसपी ने बताया पूरा सच

पलामू १०/११ (संवाददाता): गैंगस्टर अमन साहू का एनकाउंटर क्यों करना पड़ा। इसे लेकर पलामू के एसपी रिष्मा रमेशन ने एक.एक बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एटीएस की टीम गैंगस्टर अमन साहू को रायपुर से रांची लेकर जा रही थी। इस दौरान अंधारी ढोडा के पास अमन साहू गिरोह के सदस्यों ने उसको छुड़ाने के मकसद से वाहन पर सुतली बम से हमला कर दिया। गैंगस्टर अमन साहू को मुठभेड़ में मार गिराने वाली टीम को इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह लीड कर रहे थे । जिसमें वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान अमन साहू ने एटीएस जवान से इंसास राइफल छीनकर भागने का प्रयास किया। उसकों सरेंडर करने के लिए कहने पर अमन साहू ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें एटीएस के हवलदार राकेश कुमार के जांघ में गोली लग गई। जिसमें वह घायल हो गए।

उसके बाद जवाबी फायरिंग में अमन साहू मारा गया। घटनास्थल से पुलिस ने दो जिंदा सुतली बम बरामद किया। घटना के बाद उसके सहयोगी भाग निकले। घायल हवलदार को मेदिनीराय मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया हैए जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। गढ़वा से एफएसल की टीम घटनास्थल पर पहुंच रही है। उसके बाद एफएसल की टीम घटनास्थल पर जांच करेगी। उसके बाद उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा। बताते चले कि गैंगस्टर अमन साहू पिछले तीन महीने से रायपुर के जेल में बंद था। रांची के बरियातू में कोयला कारोबारी पर हुए हमले और हजारीबाग में एनटीपीसी डीजीएम के मर्डर मामले में पूछताछ करने अमन साहू को रांची लाया जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ।

अमन साहू पिछली बार चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र भी खरीदा था बता दें कि झारखंड विधानसभा चुनाव में अमन साहू की ओर से बड़काागांव से चुनाव मैदान में उतरने के लिए नामांकन पत्र खरीदा गया था और हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर सजा पर रोक लगाने की मांग की गई थी। बता दें कि आ र्स एक्ट के केस में रामगढ़ की निचली कोर्ट ने अमन साहू को मई 2018 में छह साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में रामगढ़ के पतरातू थाना में प्राथमिकी की गई थी।

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

नो व्हीकल जोन का प्रयास बेहतर, बकरी बाजार में अस्थाई पार्किंग से 100 वर्ष पुराना बाजार बचेगा

रांची १०/११ (संवाददाता): अपर बाजार स्थित बकरी बाजार की चार एकड़ जमीन पर नगर निगम का कबाड़ भरा है। बकरी बाजार मैदान में एक ओर कंडम सिटी बसेए टैंकर और अन्य वाहन भरे हैंए तो दूसरी ओर शव जलाने के लिए लाए गए जलावन को डंप कर रखा गया है।

यहां खड़े वाहनों के पार्टस दिन व दिन चोरी हो रहे हैंए लेकिन निगम इसे कबाड़ घोषित कर नहीं बेच रहा है। इस वजह से पूरा मैदान भरा है। इस कबाड़ को बकरी बाजार से हटा दिया जाए तो यहां अस्थाई वाहन पार्किंग की व्यवस्था हो जाएगी। इससे पूरे अपर बाजार क्षेत्र में वाहन लगाने की समस्या दूर हो जाएगी। व्यापारियों के साथ ग्राहकों को भी काफी फायदा होगा।अपर बाजार के व्यापारी भी यही चाहते हैं। गुरुवार को दीनबंधु लेन मर्चेंट एसोसिएशन और चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने लोहिया धर्मशाला में पत्रकारों से बात करते हुए सोनार पट्टी व रंगरेज गली को नो व्हीकल जोन घोषित करने के लिए निगम.प्रशासन व ट्रैफिक पुलिस का आभार जताया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मोर व सचिव राजेश कौशिक ने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए वेंडर मार्केट का बेसमेंटए यूनिवर्सिटी के बगल में पेपर मार्केट के सामनेए सेवा सदन हॉस्पिटल के सामने वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। बकरी बाजार व बाजारटांड़ में भी अस्थायी पार्किंग बन जाएए तो व्यापारियों व ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी।एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मोर ने कहा कि अपर बाजार क्षेत्र के दुकानदारों की सुविधा के लिए वेंडर मार्केट से अपर बाजार तक ई.रिक्शा का परिचालन होगा। व्यापारी व ग्राहक मार्केट में अपने वाहन पार्क कर ई.रिक्शा से बाजार आ.जा सकते हैं। कुछ व्यापारियों द्वारा ग्राहकों से पार्किंग शुल्क के रूप में भुगतान किए गए पैसे दिए जाएंगे।

दुष्कर्म करने वाले को 25 साल की सजा, पीड़िता को एक लाख देने का भी आदेश

जमशेदपुर १०/११ (संवाददाता): सिदगोड़ा से 15 वर्षीय नाबालिग से भगाने व सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में एडीजे . वन संजय कुमार उपाध्याय की अदालत ने गुरुवार को जुगसलाई गर्ल्स स्कूल रोड निवासी विपुल शर्मा और कदमा ईसीसी लैट के शुभांकर दास को 25 साल कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 50 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। साथ ही कोर्ट ने पीड़िता को एक लाख रुपए देने के लिए आदेश दिया है। एक लाख रुपए नहीं देने पर सजा की अवधि और पांच साल तक के लिए बढ़ जायेगी। दोनों सजाएं एक साथ चलेगी। अपर लोक अभियोजक राजीव कुमार ने बताया कि मामले में कुल 7 लोगों की गवाही हुई थी। घटना तीन साल पहले की हैए लेकिन थाना तक मामला 12 मई 2017 को पहुंचा था।

ठीक तीन साल पहले आरोपी विपुल उसे शादी के नाम पर भगाकर ले जाने के बाद उसे गर्ल्स स्कूल रोड में रखा था। यहां पर वह अपने दोस्त शुभांकर के साथ मिलकर शारीरिक शोषण करता था। इस बीच एक बच्ची को उसने जन्म दिया। जब नाबालिग को बर्दाश्त नहीं हुआ तब वह मायके चली गई थी। लड़की के परिवार के लोगों को हैवानियत की जानकारी मिलने पर नाबालिग की शादी दूसरे जगह पर करा दी थीए इसके बाद दोनों आरोपी वहां पर भी पहुंच गए। जबरन दुष्कर्म किया और सिगरेट से पूरे शरीर को जला दिया और उसके पति की बाइक लेकर फरार हो गया तो मामला थाना तक पहुंची थी।

सीयूजे की जमीन, बिजली, पानी और रास्ते की परेशानियां शीघ्र दूर करें

रांची १०/११ (संवाददाता):अपनी स्थापना के 12 वर्ष बाद भी सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड ;सीयूजेद्ध की जमीन का मामला हल नहीं हो पाया है। बिजली की समस्या जस की तस है। पानी की किल्लत है। यहां तक कि सीयूजे कैंपस में जाने के लिए उपयुक्त रास्ता तक नहीं।

सोमवार को इन चारों विषयों पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन परेशानियों को शीघ्र दूर किया जाए।

राजकीय अतिथिशाला में हुई बैठक के बाद अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि सीयूजे को कुल 500 एकड़ जमीन देनी थीए पर अब तक उसे 319 एकड़ जमीन दी गई है।

इनमें से अधिकतर गैर मजरुआ जमीन है। इसमें से 100 एकड़ जमीन की गलत रूप से बंदोबस्ती की जा चुकी है। इसमें कुछ रैयती जमीन भी हैए जिसके कारण विरोध हो रहा है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

क़लिंग समाचार

राउरकेला, मंगलवार 11 नवंबर 2025 पृष्ठ-6

केंद्रीय इस्पात मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ से ओडिशा होते हुए आंध्र प्रदेश तक लौह अयस्क पाइपलाइन को मंजूरी दी

भुवनेश्वर १०/११ (संवाददाता): भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ को ओडिशा होते हुए आंध्र प्रदेश से जोड़ने वाली लौह अयस्क स्लरी पाइपलाइन की स्थापना के लिए आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएमएनएस इंडिया) को मंजूरी दे दी है। यह पाइपलाइन खदानों से लौह अयस्क को विशाखापत्तनम जिले के अनकापल्ले में एएमएनएस इंडिया के आगामी एकीकृत इस्पात संयंत्र तक पहुँचाएगी। यह मंजूरी पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि उपयोग अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम, 1962 के तहत दी गई है, जो एक नामित प्राधिकरण को उन राज्यों में मार्गाधिकार स्वीकृत करने के लिए अधिकृत करता है जहाँ से पाइपलाइन गुज़रेगी। प्रस्तावित पाइपलाइन लौह अयस्क को स्लरी के रूप में ले जाएगी, जिससे एक टिकाऊ और लागत-कुशल लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर का निर्माण होगा जो पारंपरिक सड़क और रेल परिवहन पर निर्भरता को कम करेगा। इस परियोजना से औद्योगिक लॉजिस्टिक्स के कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आने की उमीद है और यह भारत के हरित बुनियादी ढाँचे के व्यापक प्रयास के अनुरूप है। केंद्र सरकार द्वारा समय पर दी गई मंजूरी आंध्र प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है और भारत की विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में राज्य और केंद्र सरकारों के बीच बढ़ते तालमेल को उजागर करती है।

यह पाइपलाइन मंजूरी एएमएनएस इंडिया के 17 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाले एकीकृत इस्पात संयंत्र के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसके पहले चरण में 8.2 एमटीपीए क्षमता की योजना है। अनकापल्ले संयंत्र भारत के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड इस्पात संयंत्रों में से एक बनने के लिए तैयार है, जिसमें ऊर्जा दक्षता, जल पुनर्चक्रण और उत्सर्जन में कमी के लिए उन्नत तकनीकें शामिल हैं। पिछले हते ही, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) ने पहले चरण के लिए पर्यावरणीय मंजूरी की सिफ़ारिश की थी।

पर्यावरण और पाइपलाइन दोनों मंजूरियों के साथ, अनकापल्ले परियोजना अब अपने कार्यान्वयन चरण में प्रवेश करने के लिए तैयार है, जिससे आंध्र प्रदेश वैश्विक औद्योगिक निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। आंध्र प्रदेश के मानव संसाधन विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आरटीजीएस मंत्री, नारा लोकेश ने कहा, यह उपलब्धि विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा, त्वरित मंजूरी और सक्रिय शासन प्रदान करने में आंध्र प्रदेश की अग्रणी भूमिका का प्रमाण है। एएमएनएस परियोजना हज़ारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार पैदा करेगी, स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देगी और वैश्विक इस्पात आपूर्ति श्रृंखला में भारत की स्थिति को मज़बूत करेगी।

आरएसपी द्वारा स्वच्छता 5.0 के लिए विशेष अभियान का आयोजन

राउरकेला १०/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत स्वच्छता गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। इस अभियान के अंतर्गत, 28 अक्टूबर, 2025 को विभिन्न विभागों में स्वच्छता अभियान चलाए गए। हॉट स्ट्रिप मिल-2 (एचएसएम-2) में आयोजित स्वच्छता अभियान का नेतृत्व मु य महाप्रबंधक (एचएसएम एवं सहायक), श्री सुब्रत कुमार द्वारा किया गया । इस अवसर पर महाप्रबंधक एवं अनुभाग प्रमुख (एचएसएम-2-विद्युत), श्री रंजित कुजूर, महाप्रबंधक एवं अनुभाग प्रमुख (एचएसएम-2-प्रचालन), श्री डी के यादव और महाप्रबंधक एवं अनुभाग प्रमुख (एचएस एम-2-यांत्रिक), श्री सुब्रत कानूनगो उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। विभागीय कर्मीसमूह और ठेका श्रमिकों ने इस अवसर पर आसपास के क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। उसी दिन कैप्टिव पावर प्लांट-1 (सीपीपी-1) विभाग में भी इसी तरह का अभियान चलाया गया।

मु य महाप्रबंधक (पावर), श्री दीपक रॉय ने अभियान का नेतृत्व किया और कर्मीसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके बाद विभाग के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कोक ओवन विभाग में चलाए गए स्वच्छता अभियान का नेतृत्व महाप्रबंधक (कोक ओवन), श्री बी मरांडी ने किया, जबकि महाप्रबंधक,शॉप्स आरएस (एम), श्री एस प्रमाणिक ने आरएस (एम) विभाग में स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। कर्मीसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन यूनिट मानव संसाधन अधिकारियों, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन), श्री संबित नंदी, उप प्रबंधक (मानव संसाधन), श्री आलोक कुमार और सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन), सुश्री दिव्या साहू द्वारा किया गया।

तकनीकी गड़बड़ियों के कारण राजस्व निरीक्षक पद की परीक्षा बाधित

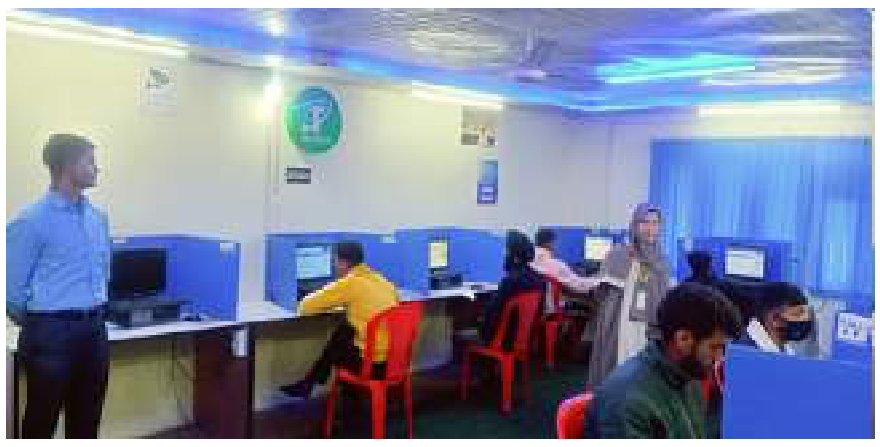

भुवनेश्वर १०/११ (संवाददाता): ओडिशा अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएसएससी) द्वारा राजस्व निरीक्षक (आरआई) पदों के लिए आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा (सीआरई)-2023 गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण राज्य भर के कई परीक्षा केंद्रों पर बाधित रही।

8 अक्टूबर से कंप्यूटर आधारित भर्ती परीक्षा (सीबीआरई) मोड में आयोजित हो रही इस परीक्षा के लिए उमीदवारों को कई केंद्रों पर एक घंटे से ज़्यादा समय तक इंतज़ार करना पड़ा। उमीदवारों ने बताया कि उन्हें सुबह 7.30 बजे रिपोर्ट करने के लिए कहा गया था, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण उन्हें सुबह 8.45 से 9 बजे तक बाहर इंतज़ार करना पड़ा। राजधानी में, मंचेश्वर, पाटिया, चंद्रशेखरपुर और नयापल्ली के चार परीक्षा केंद्रों पर सर्वर में खराबी की सूचना मिली। राज्य भर में लगभग 5 लाख उमीदवार इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। गुरुवार को परीक्षा तीन स्लॉट में आयोजित की जा रही थी और पहला स्लॉट सुबह 9 बजे निर्धारित था। सर्वर चालू होने के बाद, अ यर्थियों का पंजीकरण और अन्य कार्य किए गए और जब तक वे परीक्षा हॉल में प्रवेश कर पाए, तब तक सुबह के 9:30 बज चुके थे, ऐसा अ यर्थियों ने आरोप लगाया। कुछ केंद्रों पर, सर्वर सुबह लगभग 9:30 बजे चालू हुआ। हालाँकि, दूसरे और तीसरे चरण की परीक्षाएँ सुचारू रूप से संपन्न हुईं।

बोलनगीर में चोरी हुए 150 टिन खाद्य तेल जब्त, छह हिरासत में

बोलनगीर १०/११ (संवाददाता): बोलनगीर जिले के कांटाबांजी से चुराए गए खाद्य तेल की एक खेप देवगांव में बरामद की गई। 6 नवंबर को, कांटाबांजी शहर के चटुआंका के पास स्थित मुकेश कुमार जैन के गोदाम से लगभग 150 टिन खाद्य तेल चोरी हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, स्थानीय पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के बाद, देवगांव पुलिस ने बांधपारा चौकी सीमा के अंतर्गत डुमरपिता गांव में एक दुकानदार के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान, पुलिस ने दुकानदार के निवास से सभी 150 टिन खाद्य तेल बरामद किए, हालांकि कुछ टिन खाली पाए गए। मामले के संबंध में, पूछताछ के लिए छह व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया था जबकि आगे की जांच जारी है।

इस बात पर चर्चा हुई कि जब्त तेल असली है या नकली, क्योंकि टिन में कई मान्यता प्राप्त ब्रांडों के लेबल हैं। खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा विभाग को भी सूचित किया जाएगा, जिसके बाद तेल की प्रामाणिकता निर्धारित करने के लिए नमूनों का परीक्षण किया जाएगा।

बंदरों का आतंक, लोग वन विभाग से कार्रवाई की मांग

सुंदरगढ़ १०/११ (संवाददाता) सुंदरगढ़ ज़िले के बड़ागाँव वन क्षेत्र के अंतर्गत कुरेइबागा गाँव के निवासी बंदरों के बढ़ते आतंक से जूझ रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, पास के महावीर हिल से सैकड़ों बंदर गाँव में घुस आए हैं, फूस और खपरैल वाले घरों को नुकसान पहुँचा रहे हैं, और सब्ज़ियों और अन्य उपज को नष्ट कर रहे हैं। बंदरों के इस घुसपैठ ने ग्रामीणों का दैनिक जीवन मुश्किल बना दिया है, यहाँ तक कि सड़कों पर बड़ी सं या में बंदरों के जमावड़े के कारण वे खुलेआम घूमने से भी डरते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि वन विभाग और ज़िला प्रशासन से बार-बार शिकायत करने के बावजूद यह समस्या वर्षों से बनी हुई है। एक ग्रामीण ने दुख जताते हुए कहा, महावीर हिल से बंदर हमारे गाँव में घुस आते हैं और हमारे घरों की खपरैल वाली छतों को नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे बारिश का पानी अंदर रिसता है। वे हमारी सब्ज़ियों और अन्य उपज को भी नष्ट कर रहे हैं। हमने बड़ागाँव वन क्षेत्र और ज़िला अधिकारियों को कई बार सूचित किया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वन विभाग ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

अपार्टमेंट ढहने की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

कटक १०/११ (संवाददाता): अपार्टमेंट की बालकनी गिरने की घटना के बाद कटक शहर में असुरक्षित इमारतों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस घटना में एक पांच वर्षीय लड़के सहित एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी। डिप्टी कलेक्टर, सीएमसी नगर अभियंता और आरएंडबी अधिशासी अभियंता की सदस्यता वाली एक समिति गठित की गई है। समिति को शहर की सभी असुरक्षित इमारतों की पहचान कर उन्हें ध्वस्त करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। यह टीम जाँच के बाद जिला कलेक्टर को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। कटक मणिसाहू चौक के पास एक लैट की बालकनी ढहकर नीचे बने मकान पर गिर गई। इस हादसे में घर में मौजूद एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीन अन्य घायल भी हुए हैं।

आरएसपी ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत अनुकरणीय कार्य के लिए टीम को समानित किया

राउरकेला १०/११ (संवाददाता): भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय पहल %स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान% की सफलता में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को स मानित करने के लिए 11 अक्टूबर 2025 को इस्पात जनरल अस्पताल (आईजीएच) में एक स मान समारोह आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय पोषण माह के समन्वय में देश भर में चलाए गए इस अभियान के तहत, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने आईजीएच और सीएसआर विभाग के संयुक्त प्रयास से आसपास के गाँवों, स्कूलों और झुग्गी-झोपड़ियों में व्यापक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित कीं। स्वास्थ्य शिविरों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 2,894 लाभार्थियों तक पहुँचा गया।

इस पहल में रक्तचाप, मोटापा, स्तन और मुख कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा के स्वास्थ्य और जोड़ों से संबंधित समस्याओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य जाँच शामिल थी। इसके साथ ही, पोषण, स्वच्छता, मासिक धर्म स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आसन सुधार, लैंगिक समानता और यौन शोषण की रोकथाम पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। शारीरिक फिटनेस और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए योग सत्र भी आयोजित किए गए।

उनकी असाधारण प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए, सीएसआर विभाग के श्री गंधर्व राज नायक और श्री बेनेडिक्ट एक्का, साथ ही मेसर्स एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड की आहार विशेषज्ञ सुश्री जया कुमारी गुप्ता और मनोवैज्ञानिक सुश्री संध्यारानी दाश को आईजीएच के मु य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), डॉ. जे के आचार्य द्वारा स मानित किया गया। अभियान के तहत आरएसपी के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनकी व्यावसायिकता, समर्पण और टीम वर्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो सामुदायिक स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण के प्रति आरएसपी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।